तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा की वर्ष 1976-77 की वार्षिक प्रशासन रिपोर्ट

Printed at :
Govt. Press, U. T., Chandigarh
1979

तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा की वर्ष 1976-77 की वार्षिक प्रशासन रिपोर्ट की समीक्षा।

तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिग्री तथा उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा देने के लिये एक इंजीनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र में है तथा डिप्लोमा स्तर की इंजीनियरिंग शिक्षा के लिये चार राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर/सिरसा/झज्जर तथा नीलोखेड़ी में और दो अराजकीय बहुतकनीकी संसथायें रोहतक मे हैं। राज्य मे आधुनिक तकनीकी शिक्षा मे प्रशिक्षण देने के लिये सैंडविच पैट्रन पर आधारित वाई एम सी.ए. इंजीनियरिंग सस्था, फरीदाबाद मे चल रही है। डिप्लोमा स्तर की शिक्षा सम्बन्धी सभी प्रकार के मामले तकनीकी शिक्षा बोर्ड, हरियाणा द्वारा निपटाये जाते है।

2. वर्ष 1976-77 में तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिये कमजोर वर्ग के छात्रो को 3.76 लाख रुपए ब्याज रहित ऋण दिया गया है। राजकीय तकनीकी सस्थाओ मे छात्रो से टयूशन फीस नही ली गई तथा उनको छात्रवृत्तियां भी प्रदान की गई हैं। गैर सरकारी सस्थाओ को वर्ष के दौरान सहायता अनुदान के रूप में 49 58 लाख रुपए की राशि साजोसामान, प्राध्यापको तथा अन्य कर्मचारियो के वेतन इत्यादि तथा अन्य खर्च के लिये प्रदान की गई। गैर-सरकारी डिप्लोमा सस्थाओ को 1.00 लाख रुपए फ्रीशिप के अन्तर्गत दिये गए।

3. निदेशक, अपर निदेशक और सहायक निदेशक एव रजिस्ट्रार के पदों पर सर्व श्री आई सी गुप्ता, पी एल. गुलाटी तथा एस आर नैय्यर कार्य करते रहे।

4. हरियाणा राज्य मे तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति की जानकारी के लिये आदेश दिया जाता है कि इस ममीक्षा को हरियाणा राज्य के राजपत्र मे छापा जाए।

बी. के. सिबल,

दिनांक, चण्डीगढ़ :
14-2-78।

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
तकनीकी शिक्षा विभाग।

तकनीकी शिक्षा विभाग

वर्ष 1976-77 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समालोचना

वर्ष 1976-77 के दौरान तकनीकी शिक्षा विभाग ने कार्य निष्पादन में निरन्तर सुधार दर्शाया। अम्बाला/सिरसा/झज्जर तथा नीलोखेड़ी में चार सरकारी पोलटैकनीक है और रोहतक में दो गैर-सरकारी पौलटैकनीक है। कुरुक्षेत्र में एक रिजनल इंजीनियरिंग कालेज है। विभाग, वाई.एम सी.ए. इन्स्टीट्यूट आफ इजीनियरिंग, फरीदाबाद को भी 75 प्रतिशत अनुदान देता है, जहाँ प्रशिक्षण सैंडविच पैट्रन पर आधारित है।

विभाग ने रोहतक के वैश्य पोलटैकनीक तथा सी आर. पोलटैकनीक का अनुदान 75 प्रतिशत से बढ़ा कर 90 प्रतिशत कर दिया। नए वर्ष झज्जर मे सैंडविच पैट्रन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिये कदम उठाये जा रहे है। नीलोखेड़ी मे इलैक्ट्रोनिकस एंव संचार का एक नया पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया।

विभाग ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियो को 3.76 लाख रुपए, का ब्याज-रहित कर्ज भी वितरित किया है। सरकारी पोलटैकनीक में कोई शिक्षा शुल्क नही लिया जा रहा है। डिप्लोमा स्तर पर विभिन्न प्रकार के मामलो को निपटाने के लिये एक राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड है।

1976-77 की प्रशासनिक रिपोर्ट

रिपोर्ट :—

सतकनीकी सिक्षा.—आजकल के आधुनिक युग मे तकनीकी शिक्षा का दूसरी विज्ञान शिक्षाओ की तरह बहुत ही महत्व है। राज्य की प्रगति के लिये तकनीकी शिक्षा का महत्वपूर्ण योग्यदान है। हरियाणा राज्य मे चार राजकीय बहुतकनीकी संस्थाए तथा दो अराजकीय तकनीकी सस्था डिप्लोमा के स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिये हैं। यह संस्थाएं सिविल, यान्त्रिक, विद्युत तथा आटोमोबाईल इजिनीयरिग मे तीन वर्ष की अवधि का प्रशिक्षण देती है तथा उत्तीर्ण छात्रो को डिप्लोमा दिए जाते हैं। उद्योगो की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए फरीदाबाद मे वाई एम सी ए के नाम से तकनीकी संस्था है। जिसमे छात्रों को चार वर्ष के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है। इस सस्था के छात्रो को फरीदाबाद मे स्थित उद्योगो मे कार्य करने हेतु विशेष एवं पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाता है। एक रिजनल इजीनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र मे स्थित है। इस कालेज मे छात्रो को पाँच वर्ष के लिये बी.एस.सी इंजीनियरिग तथा दो वर्ष के एम एस सी. इजीनियरिग कोर्सिज की ट्रेनिंग दी जाती है।

2 (I) तकनीकी शिक्षा विभाग की गतिविधियो को मुख्य रूप से प्रशासनिक तथा शिक्षा सम्बन्धी दो भागो मे बाँटा गया है। विभाग का प्रशासन सुचारू रूप से चलाने के लिए निदेशालय तकनीकी शिक्षा है। जिसके मुख्य कार्य इस प्रकार से है —

(क) विभाग के प्रशासन सम्बन्धी मामलों का निपटान करना।

(ख) तकनीकी शिक्षा योजना को कार्यान्वित करना तथा योजना तथा आयोजना सम्बन्धी स्कीमो के लिये बजट तैयार करना तथा उन पर होने वाले व्यय की देखभाल करना।

(ग) अराजकीय बहुकिनीकियो की उपायुक्ता परखने के पश्चात् अनुदान देना।

(घ) सुपात्र विद्यार्थियों को ऋण तथा छात्रवृत्तियां देना।

(ङ) प्राध्यापको को आधुनिक प्रशिक्षण टैक्नीकल टीचर्ज ट्रेनिंग संस्था, चण्डीगढ़ में दिलवाने का प्रबन्ध करना।

(II) शिक्षा सम्बन्धी मामलो के निपटान हेतु तकनीकी शिक्षा बोर्ड राज्य सरकार द्वारा गठित किया हुआ है जिसके मुख्य कार्य इस प्रकार से है :—

(क) तकनीकी शिक्षा के विकास के लिये योजना बनाना।

(ख) डिप्लोमा/सार्टीफिकेट स्तर की परीक्षाएं लेना तथा शिक्षा सम्बन्धित मामलों के निपटान के लिए नियमो को स्वीकृत करना।

<u>राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड की सहायता के लिये निम्नलिखित कमेटियां:—</u>

1. परीक्षा कमेटी:—यह समिति परीक्षा सम्बन्धी प्रत्येक मामलो का निपटान करती है।

2. सलेबस कमेटी:—यह कमेटी तकनीकी शिक्षा संस्थाओ का पाठ्यक्रम निर्धारित करने का कार्य करती है।

3. एवेलयूशन और एसरीडियेशन कमेटी:—यह समिति राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित संस्थाओ का निरीक्षण करने के लिये स्थापित है। यह कमेटी प्रत्येक सस्था मे निर्धारित साजोसामान भवन तथा स्टाफ इत्यादि का निरीक्षण करती है।

4. प्रवेश :—हरियाणा राज्य की संस्थाओ मे छात्रो को प्रवेश योग्यता के आधार पर दिया जाता है। राजकीय तकनीकी संस्थाओं की प्रवेश क्षमता में से 141 स्थान अनुसूचित जातियो/कबीलो के लिये, 14 स्थान पिछड़े वर्ग के लिये, 43 स्थान हरियाणा राज्य के पिछड़े क्षेत्र के लोगों के लिये आरक्षित है। तकनीकी संस्थाओ मे छात्रो की प्रवेश क्षमता तथा दाखल हुए छात्रो का ब्यौरा अनुबन्ध 'क' में दिया गया है।

तकनीकी संस्थाओं के कोर्सिज अवधि तथा प्रवेश के लिये निर्धारित योग्यतायें इस प्रकार से है :—

रिजनल इंजीनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र :—

(क) कोर्सिज और अवधि:—

सिविल, इलैक्ट्रीकल तथा मैकनीकल इंजीनियरिंग की शाखाओं में निम्नलिखित दो वर्ष की अवधि के एम एस सी. इंजीनियरिंग डिग्री स्तर के कोर्सिज पढाये जाते है ।

(i) Soil Mechanics and Foundations with Emphasis on Geotechnology.

(ii) Structural Engineering with emphasis on constructional techniques.

(iii) Advance Electronics, Control system.

(iv) Electrical Power.

(v) Design of Machine with emphasis on Production Engineering.

न्यूनतम दाखले हेतु योग्यतायें :—

सम्बन्धित विषय में बी एस.सी. इंजीनियरिंग की डिग्री कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से या बराबर की योग्यता कम से कम 55 प्रतिशत कुल अंकों के जोड़ से लेकर पास हो ।

(ख) पोस्ट-ग्रेजूएट डिप्लोमा कोर्स :—

Post-Graduate Diploma Course in Scientific Instrumentation एक वर्ष की अवधि का है।

न्यूनतम दाखले हेतु योग्यतायें :—

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से बी.एस.सी. इंजीनियरिंग की डिग्री या बराबर की योग्यता कम से कम कुल अंकों में से 55 प्रतिशत के साथ पास।

अथवा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से फिजिक्स में एम एस. सी. या बराबर की योग्यता कम से कम 55 प्रतिशत अंक के साथ पास।

(ग) कोर्सिज और अवधि :—

सिविल, मेकैनीकल, इलैक्ट्रीकल तथा इलैक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के डिग्री स्तर के कोर्सिज पाच वर्ष की अवधि के है।

न्यूनतम दाखले के लिये योग्यतायें :—

1. इंगलिश विषय के साथ हायर सैकण्डरी या प्री-यूनिवर्सिटी या बराबर की परीक्षा पास अथवा प्री-इंजीनियरिंग, बी.एस.सी. पार्ट I पास कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से या अन्य बराबर की योग्यता।

2. कैमिस्ट्री फिजिक्स, मैथेमैटिक्स तथा इंगलिश विषयों के जोड़ में से कम से कम 50 प्रतिशत अंक।

(घ) वाई एम सी.ए. इंजीनियरिंग संस्था फरीदाबाद कोर्सिज और अवधि :—

मशीन टूल ओप्रेशन तथा मेनटीनैन्स, फैबरीकेशन, वैल्डिंग तथा शीटमैटल टैक्नोलोजी, रैफरीजरेशन तथा एयर कंडीशनिंग, इलैक्ट्रोनिक्स, मशीनज और अपलाईन्सिज, एलैक्ट्रोनिक्स इन्स्ट्रुमैनटेशन और कन्ट्रोल सरक्टस, तथा रेडियो और टैलीविजन के सभी कोर्स पोस्ट डिप्लोमा स्तर पर की चार वर्ष की अवधि के है।

न्यूनतम दाखले के लिये योग्यतायें :—

मान्यता प्राप्त बोर्ड/यूनिवर्सिटी से हायर सैकण्डरी या इसके बराबर की योग्यता की परीक्षा इंगलिश फिजिक्स, कैमीस्ट्री तथा मैथेमैटिक्स विषयों के साथ पास और कम से कम 45 प्रतिशत इन विषयों के जोड़ में से अंक प्राप्त हों।

अनुसूचित जातियों/कबीलों के लिए अंको की शर्त कम से कम 40 प्रतिशत है।

कोर्सिज और अवधि :—

सिविल, इलैक्ट्रकील, मैकेनीकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्सिज की अवधि तीन वर्ष है। राजकीय तकनीकी संस्था अम्बाला शहर म आटोमोबाईल

इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्स की सुविधा भी है। वर्ष 1976-77 से हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी में इलैक्ट्रोनिक्स एवं टैली कम्यूनिकेशन का कोर्स चालू किया गया है।

दाखले हेतु न्यूनतम योग्यतायें :--

दसवीं या बराबर की परीक्षा द्वितीय श्रेणी साईंस तथा मैथेमैटिक्स विषयों के साथ कुल अंकों में से कम से कम 45 प्रतिशत के साथ पास अथवा हायर सैकण्डरी या बराबर की परीक्षा साईंस तथा मैथेमैटिक्स विषयों के साथ कुल अंकों में से 40 प्रतिशत के साथ पास अथवा प्री-इंजीनियरिंग अथवा जूनियर तकनीकी स्कूल भाग I की परीक्षा पास अथवा आई.टी.आई. और मैट्रिक साईंस तथा हिसाब के साथ ।

अनुसूचित जातियों/कबीलों पिछडी श्रेणियों तथा सैनिकों/भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों तथा आश्रितों के लिये योग्यता साईस तथा गणित विषयो के साथ केवल दसवीं पास।

5 संस्थाओं का प्रबन्ध:--प्रत्येक संस्था का प्रबन्ध चलाने हेतु प्रधानाचार्य तथा इसकी सहायता हेतु विभागाध्यक्ष और अन्य प्राध्यापक है। इन श्रेणियों के अधिकारियों तथा अन्य टीचिंग अमले का संस्थावर विवरण अनुबन्ध 'ख' में दिया गया है।

6. छात्रवृत्ति एवं वृतिका:—प्रत्येक राजकीय तकनीकी संस्था में निर्धारित प्रवेश क्षमता के 10 प्रतिशत् विद्यार्थियो को छात्रवृत्तियों दी जाती हैं। एक तिहाई छात्रो को 20 रुपये प्रति विद्यार्थी प्रति मास योग्यता के आधार पर तथा दो तिहाई को 20 रुपये प्रति छात्र प्रति मास मैरिट-कम-मीन्ज़ के आधार पर छात्रवृत्ति दी जाती है। वर्ष 1976-77 मे राजकीय बहुतकनीकी, सस्थाओं में भिन्न 2 प्रकार की छात्रवृत्तिया प्रदान की गई थीं। तथा 2,,72,504 रुपए कुल खर्च हुए थे संस्थाअनुसार ब्यौरा अनुबन्ध 'ग' में दिया गया है।

7. शिक्षा सम्बन्धी ब्याज रहित ऋण—यह ऋण कमजोर वर्ग के उन छात्रो को दिया जाता है जिन के माता पिता की मासिक आय 500 रुपए से कम हो

हो। सरकारी कर्मचारियो के लिये यह 750 रुपए प्रति मास है। वर्ष 1976-77 में भिन्न 2 तकनीकी संस्थाओ के विद्यार्थियों को कुल 3.76 लाख रुपए का ऋण दिया गया।

8. बजट व्यवस्था:—वर्ष 1976-77 मे तकनीकी शिक्षा की योजना तथा आयोजना स्कीमो के लिये बजट व्यवस्था 106.97 लाख रुपए थी तथा वास्तविक खर्च 107.40 लाख रुपए था। जिसका सस्थावार विवरण अनुबन्ध 'घ' पर दिया गया है।

9. छात्रावास:—प्रत्येक सस्था क भवन तथा छात्रावास आधुनिक ढग से बने हुए हैं। सस्थाओ के छात्रावासो मे सभी विद्यार्थियो के लिये रहने के लिये पर्याप्त स्थान है। जिनमें अन्य सुविधाओं तथा भोजनालय है।

10. खेल कूद के मैदान:—प्रत्येक राजकीय सस्था के मैदान आधुनिक खेलो के अनुसार हैं। संस्थाओ ` फुटबाल, वालीबाल, क्रिकेट, बैडमिनटन, व्यायाम टेबिल टैनिस तथा तैराकी आदि खेलो का प्रबन्ध है और बहुतकनीकी के लिये वार्षिक अन्तर बहुतकनीकी खेल कूद प्रतियोगिता मनाई जाती है। जिसमे सभी संस्थाओ के खिलाड़ी भाग लेते हैं और विजयी टीमो तथा खिलाडियों को पारितोषिक वितरण किये जाते हैं।

11. एन सी.सी.:—प्रत्येक सस्था में कैडिटों के लिये स्थाई प्रशिक्षण का प्रबन्ध है। यह प्रतिबन्ध एक सेना कर्मचारी तथा प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा दिया जाता है। जिसका तात्पर्य प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के स्वास्थ्य तथा बौद्धिक विकास में सुधार करना होता है।

12. पुस्तकालय:—प्रत्येक सस्था मे पुस्तकालय उपलब्ध है। वहां कई प्रकार की दैनिक पत्रिकाएं भी मगाई जाती है। जिनसे संस्थाओ के छात्र/कर्मचारी पूरा 2 लाभ उठाते हैं।

13. औषधालय:—प्रत्येक संस्था मे औषधालय उपलब्ध है जिसमें डाक्टर तथा डिसपैन्सर की व्यवस्था है। इस औषधालय में प्रत्येक विद्यार्थी तथा कर्मचारी के लिये आवश्यक डाक्टरी सुविधा उपलब्ध है।

14. छात्रो के लिये मनोरंजन की सुविधाये:—प्रत्येक संस्था में विद्यार्थियों के लिये मनोरंजन क्लब भी है तथा प्रत्येक सस्था में अपना फिल्म प्रोजैक्टर है। छात्रो के मनोरंजन के लिये तथा उनकी शिक्षा के लिये रुचि उत्पन्न करने के लिए शिक्षा सम्बन्धित फिल्में दिखाई जाती है।

15 परीक्षाए:—निम्नलिखित तकनीकी सस्थाओ की परीक्षाऐं निदेशालय तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा ली जाती है:—

(1) राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर ;

(2) राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर ,

(3) राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा ;

(4) हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेडी

(5) छोटूराम बहुतकनीकी, रोहतक ,

(6) वैश्य तकनीकी, संस्था, रोहतक ;

(7) राजकीय महिला तकनीकी सस्था, अम्बाला शहर ;

(8) राजकीय सर्जीकल उपकरण, नीलोखेडी, सोनीपत ;

(9) वाई.एम.सी.ए. इंजिनियरिंग संस्था, फरीदाबाद ;

(10) राजकीय बहुतकनीकी, सुन्दरनगर (हिमाचल प्रदेश)

(11) राजकीय बहुतकनीकी, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) ;

(12) जूनियर तकनीकी स्कूल, कागडा (हिमाचल प्रदेश)।

उपर्युक्त क्रमांक 5, 6 तथा 9 पर दिखाई गई संस्थाये प्राईवेट है तथा इनको सहायता अनुदान इस विभाग द्वारा दिया जाता है। क्रमाक 7, 8 पर दिखाई गई सस्थाओ का प्रशासनिक नियंत्रण औद्योगिक विभाग, हरियाणा के पास है क्रमाक 10-11 पर दिखाई गई सस्था हिमाचल प्रदेश से सम्बन्ध रखती है। समस्त बोर्ड का अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल 1976-77 मे कोर्सवार जितने प्रतिशत रहा और अन्तिम वर्ष का परीक्षा परिणाम तथा उसमे पढाये जाने वाले कोर्स का अवलोकन अनुबन्ध (ढ़) पर है।

15. पारितोषिक तथा मैडल :—राजकीय तकनीकी शिक्षा बोर्ड की अन्तिम वर्ष की परीक्षाओं मे प्रथम तथा द्वितीय प्रत्येक कोर्स मे आने वाले छात्र को स्वर्ण तथा रजत पदक पारितोषिक के रूप मे प्रदान किये जाते है। इसके अतिरिक्त सस्थाओ में अच्छे खिलाडियो तथा योग्य छात्रो को भी वर्ष के दौरान मे कई प्रकार के पारितोषिक वितरण किये जाते है ताकि छात्रो की प्रशिक्षण मे रुचि बढे।

16. सरकारी भंडार:—प्रत्येक बहुतकनीकी में छात्रो को लेखन सामग्री तथा दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली आवश्यक वस्तुए उचित भाव पर उपलब्ध कराने हेतु सहकारी भंडार है।

17 बुक बैंक:—प्रत्येक बहुतकनीकी सस्थाएं बुक बैंक खोले गए है जिन द्वारा अनुसूचित जाति/पिछडे वर्ग तथा गरीब छात्रो को पाठ्यक्रम सम्बन्धी पुस्तकें मुफ्त दी जाती है ताकि छात्रो को इस सम्बन्ध में किसी वित्तीय कठिनाई का सामना न करना पडे।

18. वर्ष 1976-77 में दो रेखा प्रदर्शक को टी.टी.टी.आई., चण्डीगढ मे प्रशिक्षण के लिये भेजा गया था। यह प्राध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद छात्रो को आधुनिक ढंग से ट्रेनिंग प्रदान करते है।

19. अप्रैन्टिस शिप ट्रेनिंग:—अप्रैंटिसशिप संशोधन नियम, 1973 के अनुसार सभी सरकारी/ग़ैर-सरकारी सस्थाओ/विभागों को उनकी स्टाफ क्षमता

के अनुसार, अप्रैन्टिसशिप ट्रेनिंग के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापना घोषित कर दिया गया है इस विभाग में वर्ष 1976-77 में ही दो लिपिक तथा 3 प्रयोगशाला सहायकों को अप्रैन्टिसशिप ट्रेनिंग के लिये नियुक्त किया गया।

वर्ष 1976-77 में संस्थावार प्रवेश क्षमता तथा

अनुबन्ध

	अम्बाला			
	सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	जोड़
1	2	3	4	5
संस्था की प्रवेश क्षमता ..	120	60	60	240
हिमाचल प्रदेश ..	..	..	1	1
दक्षिणी तथा दक्षिणी पूर्व एशिया की जातियां	..	..	..	..
बाहर से आने वाले भारत के वासी शरणार्थी छात्रों ..	1	..	..	1
जम्मू व कश्मीर के वासी ..	..	..	.. 2	2
जोड़ ..	1	..	3	4
शेष कथन ..	119	60	57	236
अनुसूचित जातियों/कबीलो के छात्रों के लिये 20 प्रतिशत् ..	24	12	11	47
पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये 2 प्रतिशत	2	1	1	4
भूतपूर्व सैनिकों के बच्चो के लिये 4 प्रतिशत	5	2	3	10
पुरुष खिलाडी/महिलाओ के लिये 1 प्रतिशत प्रत्येक ..	2	2	2	6
हरियाणा के पिछड़े क्षेत्र के छात्रों के लिये 6 प्रतिशत ..	7	3	4	14

मूलरूप में प्रविष्ट हुए छात्रों की स्थिति

क

नीलोखेड़ी			
सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	जोड
6	7	8	9
90	75	75	240
..	..	1	1
2	2	3	7
1	..	..	1
..	..	..	..
3	2	4	9
87	73	71	231
17	15	14	46
2	1	1	4
4	3	3	19
2	2	2	6
5	4	4	13

वर्ष 1976-77 में संस्थावार प्रवेश क्षमता तथा

अनुबन्ध

		झज्जर		
	सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	जोड़
1	10	11	12	13
संस्था की प्रवेश क्षमता ..	60	30	30	120
हिमाचल प्रदेश ..	..	..	..	..
दक्षिणी तथा दक्षिणी पूर्व एशिया से जातियां	..	..	..	..
बाहर से माने वाले भारत के वासी शरणार्थी छात्र ..	1	..	..	1
जम्मू व कश्मीर के वासी ..	..	..	..	..
जोड़ ..	1	..	..	1
शेष स्थान ..	59	30	30	119
अनुसूचित जातियों/कबीलों के छात्रों के लिए 20 प्रतिशत् ..	12	6	6	24
पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये 2 प्रतिशत	1	1	1	3
भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों के लिये 4 प्रतिशत्	3	1	1	3
पुरुष खिलाड़ी/महिलाओं के लिये 1 प्रतिशत् प्रत्येक ..	..	..	2	2
हरियाणा के पिछड़े क्षेत्र के छात्रों के लिये 6 प्रतिशत् ..	4	2	2	8

मूलरूप में प्रविष्ट हुए छात्रों की स्थिति

क

			सिरसा	
सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	जोड	कुल जोड़
14	15	16	17	18
60	30	30	120	720
..	..	..	..	2
..	.	..	..	7
1	..	..	1	4
..	..	..	..	2
1	..	..	1	15
59	30	30	119	785
12	6	6	24	141
1	1	1	3	14
3	1	1	5	30
..	2	..	2	16
4	2	2	8	43

वर्ष 1976-77 में संस्थावार प्रवेश क्षमता/प्रवेश हुए छात्रों सम्बन्धी सूचना

अनुबन्ध 'क'–1

क्रमांक	संस्था का नाम		प्रवेश क्षमता	दाखल किए गए छात्र
1	2		3	4
1	राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर	..	240	264
2	हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेडी	..	240	264
3	राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर	..	120	129
4	राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा	..	120	132
	अराजकीय तकनीकी संस्थाएं :—			
1	वाई.एम सी.ए. इंजीनियरिंग संस्था, फरीदाबाद	..	120	119
2	छोटूराम बहुतकनीकी, रोहतक	..	120	120
3	वैश्य तकनीकी सस्था, रोहतक	..	120	142
	जोड़	..	1,080	1,170

सस्थावार वर्ष 1976-77 मे कर्मचारी वर्ग की स्थिति

अनुबन्ध 'ख'

क्रम संख्या	पद का नाम		अम्बाला शहर		नीलोखेडी		झज्जर		सिरसा	
			स्वीकृत	भरे हुए	स्वीकृत	भरेहुए	स्वीकृत	भरे हुए	स्वीकृत	भरे हुए
1	2		3	4	5	6	7	8	9	10
1	प्रधानाचार्य	..	1	1	1	1	1	1	1	1
2	विभागाध्यक्ष	.	4	4	3	3	3	3	3	3
3	प्राध्यापक	..	18	18	18	15	9	8	9	9
4	कर्मशाला अधीक्षक/फोरमैन आटो		2	2	1	1	1	1	1	1
5	अवर प्राध्यापक	.	7	7	7	7	5	5	5	5
6	सीनियर प्रशिक्षक	..	2	1		.	.	.	.	.
7	सहायक कर्मशाला अधीक्षक	..	1	1	1	1		..		.
8	प्रदर्शक	..	14	12	15	9	10	6	10	8
9	रेखा प्रदर्शक (एक आटो)		12	12	11	7	7	5	7	5
10	पी टी आई.		2	2	2	2	1	1	1	1
11	मोटर मैकनिक	..	1	1	.	..	..	..	..	..
12	विज्ञान प्रशिक्षक	..	1	..	1	1	.	.	..	.
13	प्रशिक्षक आटो	..	2	2	..	..	.	..		..
14	कर्मशाला शिक्षक	..	19	19	20	19	13	12	13	12

वर्ष 1976-77 नें दी गई छात्रवृत्ति की स्थिति

अनुबन्ध 'ग'

क्रमाक छात्रवृत्तियो के नाम	राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर		हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेडी		राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर		राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि
		रुपए		रुपए		रुपए		रुपए
1 हरियाणा सरकार द्वारा योग्यता/योग्यता एवं निर्धनता के आधार पर दी गई छात्रवृत्ति	53	11,865	33	7,753	69	16,118	33	7,560

2. निदेशक, शिक्षा विभाग द्वारा अनुसूचित जातियो तथा पिछडे वर्ग तथा कम आय के वर्ग के छात्रो को दी गई छात्रवृत्तियां	43	36,666	58	26,726	93	76,831	45	3,240
3. जिला सैनिक बोर्ड द्वारा सैनिकों के बच्चो को दी गई छात्रवृत्ति	19	18,027	16	4,554	19	11,640	10	4,800
4. राज्य हरियाणा कल्याण योजना पिछडे वर्ग के छात्रो को छात्रवृत्ति दर 25 रुपए प्रति मास .	18	4,311	25	3,951	16	4,800	15	4,500
समस्त जोड़ .	133	70,871	132	42,984	197	1,09,389	103	49,260

अनुबन्ध 'घ'

वर्ष 1976-77 में योजना तथा अयोजना स्कीमो के लिये बजट व्यवस्था तथा व्यय तथा आकडो से सम्बन्धित सूचना

क्रमांक	स्कीम तथा लेखा शीर्ष		अयोजना		योजना	
			बजट	व्यय	बजट	व्यय
1	2		3	4	5	6

(राशि लाख रुपयो में)

1	निदेशालय, तकनीकी शिक्षा एफ-i डायरेक्शन एंड एडमनिस्ट्रेशन	..	6.22	6.26	..	..
2	एफ-ii ग्राट-इन-ऐड—					

(क) क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र	25.78	25.63	..	..
(ख) वाई.एम.सी.ए. इंजिनियरिंग संस्था, फरीदाबाद	16.90	16.90	..	..
(ग) छोटूराम बहुतकनीकी, रोहतक तथा वैश्य तकनीकी संस्था, रोहतक ..	..	..	5.75	7.05
(घ) फ्रीशिप ..	1.00	1.00	..	..
(ङ) बुक बैंक प्राईवेट संस्थाओं में स्थापित करना ..	..	..	0.80	0.80
3 एफ.-पोलिटैक्नीकस—				
(क) राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर ..	13.04	13.30	..	..
(ख) राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर ..	7.93	8.40	4.20	3.56
(ग) हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी ..	12.57	12.66	..	..
(घ) राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा ..	9.13	9.35	..	..
4 जे.टी.एस. नीलोखेड़ी, एफ-iii ..	..	..	..	..

क्रमाक	स्कीम तथा लेखा शीर्ष	अयोजना		योजना	
		बजट	व्यय	बजट	व्यय
1	2	3	4	5	6

(राशि लाख रुपयों में)

5	407—कैपिटल आऊट ले ओन एजुकेशन आर्ट एण्ड कलचर—				
	(क) रिजनल इंजिनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र ..	..	..	..	..

	(ख) वाई.एम सी.ए संस्था, फरीदाबाद तथा सरकारी संस्थाओ के विकास हेतु तथा स्टाफ के लिये क्वाटरो के निर्माण हेतु	..	.	.	2.65	1 15
6	287—लेबर एण्ड एम्पलाईमेंट—					
	राजकीय महिला तकनीकी संस्था, अम्वाला शहर			..	1.00	1 34
	677—ऋण निर्धन तथा आवश्यकता वाले कला तथा साहित्य मे शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रो को ऋण के रूप मे अनुदान देना	.	3 76	3.76	.	.
	जोड	..	92.57	93.50	14.40	13 90

अनुबन्ध

समस्त सस्थानुसार राज्य बोर्ड की तृतीय वर्ष डिप्लोमां इजीनियरिंग

संस्था का नाम	परीक्षा	छात्र जो परीक्षाओ में बैठे			
		सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	आटो
1	2	3	4	5	6
1 राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर ..	वार्षिक	129	57	58	21
	पूरक	29	28	14	7
2. राजकीय बहुतकनीकी, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)	वार्षिक	114	18	10	.
	पूरक	29	1	2	.
3. राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर	वार्षिक	63	20	42	.
	पूरक	24	7	16	..
4 हरियाणा बहुतकनीकी नीलोखेडी	वार्षिक	101	52	56	..
	पूरक	20	17	11	.
5 छोटूराम बहुतकनीकी, रोहतक	वार्षिक	64	40	32	
	पूरक	12	16	9	
6. वैश्य तकनीकी सस्था, रोहतक	वार्षिक	67	31	25	.
	पूरक	19	20	5	
7. राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा	वार्षिक	70	29	38	.
	पूरक	4	7	6	
8. राजकीय बहुतकनीकी, सुन्दर-नगर (हिमाचल प्रदेश)	वार्षिक	89	16	.	17
	पूरक	24	10	.	1
कुल जोड		858	369	324	46

'ङ'

की परीक्षा वर्ष, 1976 एवं दिसम्बर, 1976 मे हुई का परिणाम

छात्र जो पास हुए				पास प्रतिशत्			
सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	ओटो	सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	ओटो
7	8	9	10	11	12	13	14
94	27	42	12	72.9	47 4	72.4	57
16	14	7	6	55	50	50	85.7
89	16	8		73	88.9	80	..
26	1		.	89	100	.	..
43	15	26		68.3	60	61.9	
15	3	10	..	62.5	42 8	62.5	
78	34	41	.	78	65 4	73.2	
15	8	7	.	75	46	68.6	..
52	24	21	..	81 3	60	65.6	..
8	5	2	..	66 7	31 3	22 2	..
46	14	19	..	68.6	35.5	76	..
16	12	2	..	84.2	60	48	
66	22	32	..	94.2	75 9	84.2	
4	4	2		100	57 1	33.3	
66	6		16	74 2	37.5	.	94 1
20	6	..	1	83.3	60	.	100
654	205	215	35	76.2	56 3	67.6	76

अनुबन्ध 'ङ'

समस्त सस्थानुसार राज्य बोर्ड की डिप्लोमा इजीनियरिंग की मई/जून, 1976 एवं नवम्बर, 1976 की परीक्षा का परिणाम

सस्था का नाम	वार्षिक			पूरक		
	मई/जून, 1976			नवम्बर/दिसम्बर, 1976		
	छात्रो की सख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत	छात्रो की सख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
(1) वाई एम.सी.ए इजीनियरिंग सस्था, फरीदाबाद—						
(क) मशीन टूल आपरेशन तथा मेन्टीनेंस ..	38	32	84.2	6	5	83.3
(ख) वैल्डिंग तथा शीट मेंटल टैक्नोलोजी	10	8	80	2	2	100
(ग) रेफ्रीजेशन तथा एयर कडीशनिंग	14	13	92.1	1	1	100

संस्था का नाम	वार्षिक			पूरक		
	मई/जून 1976			नवम्बर/दिसम्बर 1976		
	छात्रों की संख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत	छात्रों की संख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
(घ) इलैक्ट्रिकल मशीन्ज़ तथा एपलाईजिज़ ..	30	30	100	..	..	..
(ङ) इलैक्ट्रोनिक्स तथा कन्ट्रोल ..	8	8	100	..	..	..
(ण) रेडियो तथा टैलीविजन ..	8	8	100	..	..	..
2. राजकीय सर्जीकल इंस्ट्रूमेंट्स टैक्नोलोजी सस्था, सोनीपत —						
(क) सर्जीकल इन्स्ट्रूमेंट टैक्नोलोजी ..	14	8	57	5	4	80
(ख) मशीन टूल्ज़ और डाईसिकिंग टैक्नोलोजी ..	28	11	55	9	7	77.8
3. राजकीय महिला तकनीकी सस्था, अम्बाला शहर .. —						

	वार्षिक			पूरक		
	मई/जून 1976			नवम्बर/दिसम्बर 1976		
	छात्रों की संख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत	छात्रों की सख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
(क) फार्मेसी तथा ड्रैसरर्ज कोर्स ..	37	18	48.7	18	4	22.3
(ख) लाईब्रेरी साईंस	23	14	60.9	7	7	100
(ग) कमर्शियल प्रैक्टिस तथा स्टैनोग्राफी	25	7	28	15	18	66 7
4. जूनियर तकनीकी स्कूल सार्टीफिकेट—						
राजकीय जूनियर तकनीकी स्कूल, कांगडा (हिमाचल प्रदेश)	50	30	60	15	15	100

35867—DTE—Govt. Press, Chd.